8वाँ हिंद महासागर सम्मेलन

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने **मस्कट, ओमान** में आयोजित **8वें हिंद महासागर सम्मेलन (IOC)** में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस सम्मेलन का विषय, '**समुद्री साझेदारी के नए क्षितिज की यात्रा**' है।

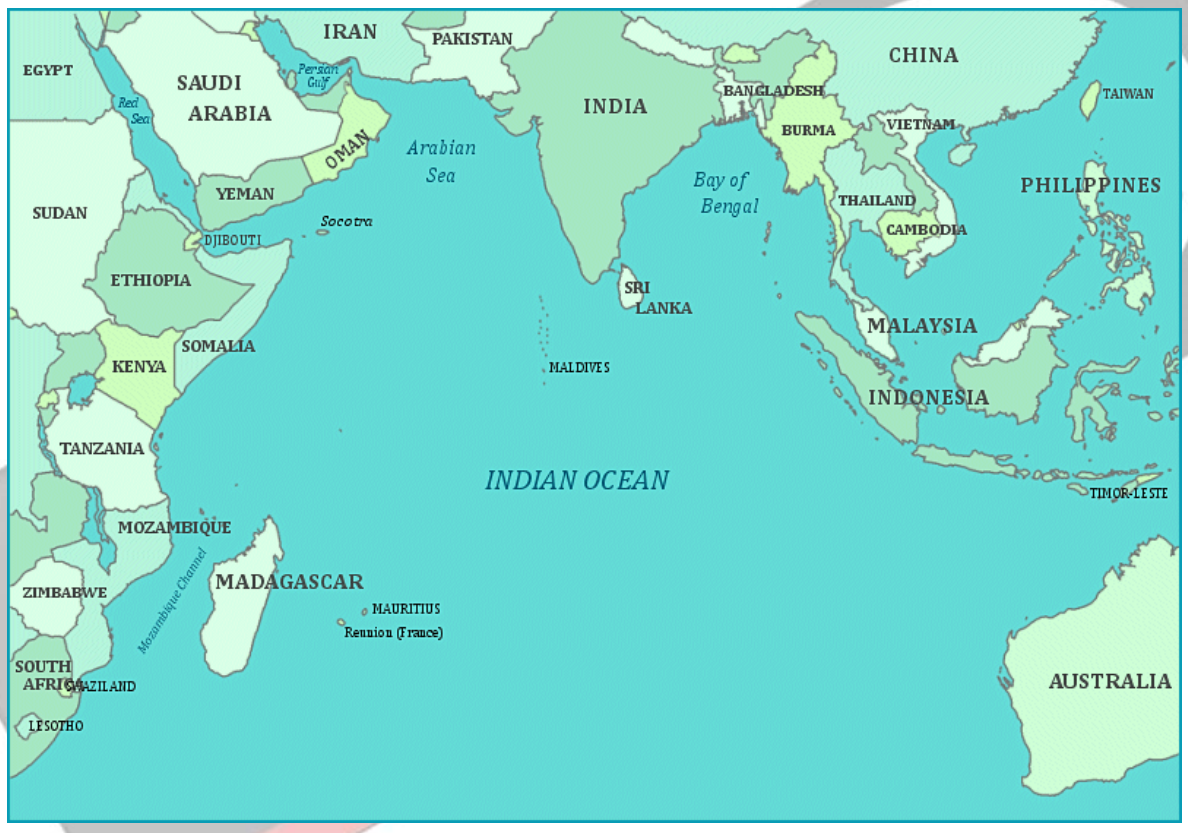

हिंद महासागर सम्मेलन क्या है?

- **परिचय:** IOC एक वार्षिक शिखर सम्मेलन है जिसके तहत **भू-राजनीतिक, आर्थिक एवं सुरक्षा चुनौतियों** पर चर्चा करने के क्रम में **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR)** के **नेताओं, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों** को एक साथ लाया जाता है।
  - इसकी स्थापना **इंडिया फाउंडेशन** (भारत स्थित **थिंक टैंक**) द्वारा **वर्ष 2016 में सिंगापुर** में **30 देशों** की भागीदारी के साथ की गई थी।
- **उद्देश्य: इसका उद्देश्य** [क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास (SAGAR)] दृष्टिकोण के तहत **क्षेत्रीय सहयोग को** बढ़ाने के लिये हिंद महासागर क्षेत्र में प्रमुख राज्यों और समुद्री साझेदारों को एकजुट करना है।

सागर (क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास) विज़न

इस पहल को हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा तथा सतत् विकास को सुनिश्चित करने के क्रम में वर्ष 2015 में शुरू किया गया।

मूल सिद्धांत

- आपसी विश्वास, समुद्री मानदंडों के प्रति सम्मान, क्षेत्रीय संवेदनशीलता, शांतिपूर्ण विवाद समाधान तथा सहयोग को बढ़ावा देना
- भारत की एक्ट ईस्ट नीति एवं पड़ोसी प्रथम नीति को समर्थन देना

भारत के लिये हिंद महासागर क्षेत्र का महत्त्व:

- आर्थिक: मात्रा के अनुसार भारत का 95% व्यापार एवं मूल्य के अनुसार 68% व्यापार हिंद महासागर क्षेत्र से होता है
- सामरिक लाभ: प्रमुख समुद्री अवरोध बिंदुओं (जैसे मलक्का जलडमरूमध्य) पर नियंत्रण मिलने से व्यापार सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है
- रक्षा कवच: समुद्री डकैती और खतरों के खिलाफ नौसेना सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है
- क्षेत्रीय प्रभाव: दक्षिण एशिया एवं हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका को मज़बूत करता है

सागर विज़न के अनुरूप भारत की प्रमुख पहल

एकीकृत तटीय निगरानी प्रणाली:

हिंद महासागर के देशों (जैसे, मालदीव) में तटीय रडार प्रणाली

बंदरगाह एवं अवसंरचना परियोजनाएँ:

श्रीलंका, मॉरीशस, सेशेल्स और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों में बंदरगाह सुविधाओं का विकास करना

नौसेना साझेदारी:

श्रीलंका, मालदीव, मॉरीशस और सेशेल्स के साथ

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत-इंडोनेशिया समुद्री सहयोग का साझा दृष्टिकोण

सहयोगात्मक तंत्र:

हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) और हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS) जैसे मंचों के माध्यम से समुद्री सहयोग

बंदरगाह एवं अवसंरचना परियोजनाएँ:

मालदीव जैसे पड़ोसी देशों में बंदरगाह सुविधाओं का विकास करना

परियोजना 'मौसम'

यह हिंद महासागर पर मानसूनी हवाओं के प्रभाव का पता लगाने के साथ समुद्री मार्गों के संबंध में ज्ञान, परंपराओं, प्रौद्योगिकियों एवं विचारों का प्रसार करने पर केंद्रित है।

आपदा प्रतिक्रिया और मानवीय सहायता

मिशन सागर (2020): मालदीव, मॉरीशस, मेडागास्कर, कोमोरोस और सेशेल्स सहित हिंद महासागर के तटीय राज्यों को COVID-19 सहायता

ऑपरेशन नीर: भारत द्वारा मालदीव को पेयजल उपलब्ध कराया गया

MV वाकाशियो तेल रिसाव (2020): मॉरीशस को 30 टन तकनीकी उपकरण की आपूर्ति की गई

MT न्यू डायमंड अग्नि घटना (2020): भारतीय तटरक्षक बल ने अग्निशमन में श्रीलंका की सहायता की

सूचना समन्वय केंद्र-IOR

यह समुद्री यातायात एवं खतरों पर निगरानी रखने के साथ वास्तविक समय में जानकारी साझा करने पर केंद्रित है

हिंद महासागर क्षेत्र क्या है?

- **परिचय: हिंद महासागर से तात्पर्य हिंद महासागर के** आसपास के क्षेत्र से है, जिसमें **इसके सीमावर्ती देश भी शामिल हैं।**
  - यह पूर्व में [मलक्का जलडमरूमध्य](#) **और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया से लेकर** पश्चिम में [मोज़ाम्बिक चैनल तक फैला हुआ है।](#)
  - **यह वैश्विक जल सतह का** लगभग 20%, **वैश्विक भूमि क्षेत्र का** एक चौथाई**, और वैश्विक तेल भंडार का तीन-चौथाई हिस्सा कवर करता है।**
- **सामरिक महत्त्व:**
  - **आर्थिक महत्त्व: वैश्विक समुद्री तेल का** लगभग **80% और भारत के तेल आयात का 80%** प्रतिवर्ष हिंद महासागर के माध्यम से होता है।
  - **प्रमुख चोक पॉइंट:**
    - **मलक्का जलडमरूमध्य** (दक्षिण पूर्व एशिया और प्रशांत महासागर को हिंद महासागर से जोड़ता है)।
    - [होर्मुज जलडमरूमध्य](#) (फारस की खाड़ी को हिंद महासागर से जोड़ता है; जो वैश्विक तेल परिवहन के लिये महत्त्वपूर्ण)।
    - [बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य](#) (लाल सागर और हिंद महासागर को जोड़ता है, अफ्रीका और मध्य पूर्व के साथ व्यापार को प्रभावित करता है)।
    - **मोज़ाम्बिक चैनल** (केप ऑफ गुड होप से मध्य पूर्व और एशिया तक वस्तु परिवहन के लिये महत्त्वपूर्ण)।
- **सैन्य महत्त्व:** यह प्रमुख **नौसैनिक अड्डों का केंद्र है,** जो समुद्री डकैती, अवैध मत्स्य संग्रहण और क्षेत्रीय विवाद जैसी **समुद्री सुरक्षा** चिंताओं का सामना करता है।
- **महत्त्वपूर्ण खनिज:** अनुमान है कि **मध्य हिंद महासागर बेसिन (CIOB) में निकिल**, **तांबा, कोबाल्ट** और **मैंगनीज** के विशाल भंडार मौजूद हैं।

और पढ़ें..[हिंद महासागर क्षेत्र से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं](#)**?,** [हिंद महासागर क्षेत्र में चुनौतियों से कैसे निपटें?](#)

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

प्रश्न. हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

1. IONS का उद्घाटन भारतीय नौसेना की अध्यक्षता में वर्ष 2015 में भारत में किया गया था।
2. IONS एक स्वैच्छिक पहल है जो हिंद महासागर क्षेत्र के तटीय राज्यों की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ाने का प्रयास करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: b

प्रश्न. 'क्षेत्रीय सहयोग के लिये इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन फॉर रीजनल को-ऑपरेशन (IOR_ARC)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2015)

1. इसकी स्थापना हाल ही में घटित समुद्री डकैती की घटनाओं और तेल अधिप्लाव (आयल स्पिल्स) की दुर्घटनाओं के प्रतिक्रियास्वरूप की गई है।
2. यह एक ऐसी मैत्री है जो केवल समुद्री सुरक्षा हेतु है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/8th-indian-ocean-conference